Content

: अनुक्रमणिका :

प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश : पृ. 001 - 059 ।

प्रास्ताविक -- उपन्यास : एक नयी विधा — हिन्दी उपन्यास का विकास : एक विहंगम दृष्टिपात -- पूर्वप्रेमचन्दकाल — प्रेमचन्दकाल — प्रेमचन्दोत्तरकाल — सामाजिक , ऐतिहासिक , मनोवैज्ञानिक , समाजवादी या मार्क्सवादी , राजनीतिक , पौराणिक , व्यंग्यात्मक , आंचलिक , साठोत्तरी , समकालीन आदि औपन्यासिक प्रवृत्तियां -- डा. नरेन्द्र कोहली का रचना-काल — पौराणिक उपन्यास — इतिहास और पुराण -- इतिहास और पुरातत्वविद्या -- पुराण और संस्कृति — — पौराणिक उपन्यास -- पौराणिक उपन्यासों में मिथक प्रयोग — निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम ।

द्वितीय अध्याय : आलोच्य लेखक : जीवन-परिचय एवं कृतित्व : पृ. 60-129

प्रास्ताविक -- डा. नरेन्द्र कोहली का जीवन-परिचय -- डा. नरेन्द्र कोहली की शिक्षा-दीक्षा -- वैवाहिक जीवन -- डा. नरेन्द्र कोहली का कृतित्व -- डा. नरेन्द्र कोहली का प्रारंभिक लेखन — डा. नरेन्द्र कोहली के लेखन का प्रौढ़ काल -- डा. नरेन्द्र कोहली के उपन्यास -- डा. नरेन्द्र कोहली का समग्र कृतित्व -- डा. नरेन्द्र कोहली का व्यक्तित्व — निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम ।

तृतीय अध्याय : रामायण की कथावस्तु पर आधारित डा. कोहली के उपन्यास : पृ. 130-233 ।

प्रास्ताविक -- रामकथा की पृष्ठभूमि — वैदिक साहित्य में रामकथा -- पुराणों में रामकथा -- संस्कृत रामायणों में रामकथा -- पालि-प्राकृत-अपभ्रंश

साहित्य में रामकथा -- संस्कृत नाटकों में रामकथा -- संस्कृत प्रबंध काव्यों में रामकथा — देश-विदेश के अन्य भागों में रामकथा — हिन्दी में राम-काव्य परंपरा — हिन्दी उपन्यास और रामकथा -- डा. कोहली के रामायण की कथावस्तु पर आधारित उपन्यास -- दीक्षा — अवसर -- संघर्ष की ओर -- युद्ध -- निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

चतुर्थ अध्याय : महाभारत की कथावस्तु पर आधारित डा. कोहली के उपन्यास : पृ. 234-300 ।

==========

प्रास्ताविक -- महाभारत की पृष्ठभूमि — महाभारत की कथावस्तु पर आधारित हिन्दी प्रबंध काव्य , खंण्ड काव्य और बीतिनाट्य --महाभारत पर आधारित अन्य लेखकों के उपन्यास -- महाभारत पर आधारित डा. कोहली के उपन्यास -- बंधन -- अधिकार — कर्म -- धर्म — अंतराल -- प्रच्छन्न -- प्रत्यक्ष — निर्बन्ध -- निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

पंचम अध्याय : डा. कोहली के उपन्यासों में निरूपित रामायण और महाभारत के पात्र : पृ. 301-383 ।

==========

प्रास्ताविक — रामायण के प्रमुख पात्र § द्रष्टव्य : पृ. 015 -- प्राक्कथन § महाभारत के प्रमुख पात्र -- § द्रष्टव्य : पृ. 015 : प्राक्कथन § — निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

षष्ठ अध्याय : उपसंहार : पृ. 384- 399 ।

==========

* समग्रावलोकन पर आधारित निष्कर्ष ।
* विषय की उपादेयता एवं उपलब्धियां ।
* भविष्यत्× संभावनाएं ।

ग्रन्थानुक्रमणिका ॥ बिब्लिओग्राफी ॥ : पृ० 400-

॥1॥ परिशिष्ट - 1 : उपजीव्य ग्रन्थों की सूची ।

॥2॥ परिशिष्ट - 2 : सहायक-ग्रन्थ सूची ॥ संस्कृत ॥ ।

॥3॥ परिशिष्ट -3 : सहायक-ग्रन्थ सूची ॥ हिन्दी ॥ ।

॥4॥ परिशिष्ट - 4 : सहायक-ग्रन्थ सूची ॥ अंग्रेज ॥ ।

॥5॥ परिशिष्ट - 5 : कोश-ग्रन्थ तथा अप्रकाशित शोध-प्रबंधों की सूची ।

॥6॥ परिशिष्ट - 6 : पत्र-पत्रिकाएं ।

---- : इति शुभम् : -----